वर्ष:15 | अंक:177 | सितम्बर, 2026

मूल्य: ₹5

पू. कैलाश जी 'मानव'

NARAYAN SEVA SANSTHAN

Nar Seva Narayan Seva

सेवा पाती

मेरी बहन एवं मेरे परिवार की खुशी का श्रेय आपको

Donate via UPI
narayanseva@sbi
Visit for More Information
www.narayanseva.org

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

अनुक्रमणिका

मूल्य ▶ 5 वर्ष ▶ 15 अंक ▶ 177
मुद्रण तारीख ▶ 1 सितम्बर, 2026 कुल पृष्ठ ▶ 28

06 नए दौर की जरूरतों से जोड़ें
07 कन्या पूजन सौभाग्य का वरदान
08 बुखार ने अंग किए कमजोर तोड़ न पाया हौसला
12 शिव महिमा की अद्भुत गाथा
15 उत्साह की झलक श्री कृष्ण जन्माष्टमी
16 सुनहरे कल का वादा
18 उन्नत 3डी तकनीक से संवरा भविष्य
22 नि:स्वार्थ सेवा का नयनभिराम संसार
23 प्रकृति ही प्रभावी चिकित्सा

सम्पादक मंडल
मार्गदर्शक ▶ कैलाश चन्द्र अग्रवाल। सम्पादक ▶ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▶ विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▶ विरेन्द्र सिंह राठौड़

1-2, वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी, माली कॉलोनी,
उदयपुर (राजस्थान) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222 वाट्सऐप: +91-7023509999
www.narayanseva.org | info@narayanseva.org

सेवा–पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 सितम्बर, 2026 आर. एन. आई. नं. DELHIN/2017/73538,
स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह मो. 09871320593 द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी,
दिल्ली–110006 से प्रकाशित तथा थॉमसन प्रेस इंडिया लिमिटेड, फरीदाबाद से मुद्रित। मुद्रित संख्या 1,00,000 (मूल्य) 5 रूपये

'सेवक' प्रशांत भैया

समर्पण में सफलता

व्यक्ति की विफलता यह सिद्ध करती है कि सफलता के लिए पूर्ण मनोयोग से प्रयास नहीं किए गए। हर व्यक्ति जीवन में काम, दाम, नाम, सम्मान और कमान पाना चाहता है, और इन्हीं उपलब्धियों से उसकी सफलता का आकलन होता है। सफलता (स+फल–फल सहित) का अर्थ केवल बड़ा पद, धन या डिग्रियां पाना ही नहीं, बल्कि सामाजिक हैसियत और उपयोगिता भी इसकी कसौटी है।

संसार में अनेक लोग दिन–रात कठोर परिश्रम करते हैं, किंतु सफलता कुछ ही लोगों को मिलती है। इसे अक्सर तकदीर का खेल मान लिया जाता है, लेकिन विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो सफल और विफल व्यक्तियों में एक मूलभूत अंतर होता है।

परिश्रम दोनों करते हैं, किंतु सफल व्यक्ति के पास स्पष्ट नजरिया और लक्ष्य होता है। वे अंधेरे में तीर चलाने के बजाय देशकाल और परिस्थितियों को समझते हैं, समस्याओं का व्यावहारिक निदान खोजते हैं और तर्कपरक योजना बनाते हैं। मनुष्य अपने गुणों, सकारात्मकता और विवेक से अपनी श्रेष्ठता साबित कर सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि कार्य आरंभ करने से पूर्व उसके परिणामों पर विचार किया जाए और उसे पूर्णता तक ले जाने के लिए इच्छाशक्ति जगाई जाए। प्रायः चूक, असावधानी या अधूरी तैयारी के कारण सफलता दूर रह जाती है, किंतु बार–बार असफल होने वाला व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता है, ऐसा सोचना गलत है। खिलाड़ी इसका उत्तम उदाहरण हैं, जो हारने के बाद पुनः पूरी तैयारी के साथ जीत का परचम फहराते हैं।

इतिहास का उदाहरण देखें तो गजनी के शासक मोहम्मद गोरी ने 1175 से 1206 ईस्वी के बीच दिल्ली के सम्राट पृथ्वीराज चौहान पर कई बार आक्रमण किए, पर हर बार उसे पराजय का सामना करना पड़ा। एक अंतिम पराजय के बाद जान बचाने के लिए उसे जंगल की गुफा में शरण लेनी पड़ी। वहीं उसे सफलता का मूल मंत्र मिला। उसने देखा कि एक चींटी अपने गंतव्य तक पहुंचने के प्रयास में बार–बार गिर रही थी, किंतु निराश हुए बिना चढ़ती रही। घायल गोरी पहले तो इसे व्यर्थ चेष्टा समझता रहा, किंतु जब चींटी अंततः अपने घर पहुंचकर परिवार से मिल गई, तो वह चकित रह गया। चींटी से मिली इस सीख ने गोरी में नया आत्मविश्वास भर दिया। उसने पुनः अपनी सेना और शक्ति को संगठित किया और सत्रहवीं बार के आक्रमण में पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाकर उनके साम्राज्य पर अधिकार कर लिया।

यदि अपनी क्षमताओं का ईमानदारी से विश्लेषण करके, सोच-समझकर और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ कार्य किया जाए, तो सफलता कभी दूर नहीं रह सकती।

पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव'

दिवस जात नहीं लागत बारा

वर्षा की टप–टप बूंदों के एकत्रित होने और छोटे–छोटे नदियों–नालों के जल से विशाल सागर भर जाता है। इसके विपरीत, उसी विशाल सागर या जलपात्र में बूंद–बूंद का रिसाव होने पर वह पूरी तरह रिक्त हो जाता है। ठीक इसी प्रकार, मनुष्य के जीवन में पल–पल का अत्यंत महत्व है। बीता हुआ एक भी पल पुनः लौटकर नहीं आता। इन्हीं पलों के बीतने के साथ दिन, सप्ताह, माह और वर्ष व्यतीत होते जाते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीराम चरितमानस में लिखा है। दिवस जात नहीं लागत बारा। यह पंक्ति मनुष्य को समय की तीव्र गति के प्रति सचेत करती है। ज्यों–ज्यों समय बीतता है, जीवन का अंतिम क्षण भी निकट आता जाता है।

जो लोग समय के महत्व को न समझकर उसे नष्ट करते हैं, समय उन्हें स्वयं नष्ट कर देता है। समय कभी रुकता नहीं और न ही इसकी गति धीमी होती है। निर्बल हो या बलवान, राजा हो या रंक, स्वामी हो या सेवक कोई भी समय के प्रभाव को चुनौती नहीं दे सकता। समय ईश्वर का एक अमूल्य वरदान है, जिसकी क्षतिपूर्ति कभी संभव नहीं है।

यदि समय को ईश्वर का ही स्वरूप मान लिया जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जो व्यक्ति समय की आराधना करता है और उसके महत्व को स्वीकार कर उसका सदुपयोग करता है, वह स्वतः भाग्यशाली बन जाता है। जिस प्रकार भगवान की निष्काम भक्ति जीवन को सँवारती है, उसी प्रकार समय का सम्मान भी जीवन को निखारता है। श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण भी मनुष्य को सदैव अपने कर्तव्य–पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देते हैं, क्योंकि निष्क्रिय रहने से केवल असफलता ही हाथ लगती है। मनुष्य का जीवन क्षणभंगुर है और उम्र बढ़ने के साथ उसकी कार्यक्षमता घटती जाती है। इसलिए मनुष्य को अपने विवेक से यह समझना चाहिए कि कर्तव्य पूर्ण करने के लिए समय बहुत सीमित है। यह दुर्लभ मानव जीवन बिना व्यर्थ गँवाए परिवार, समाज, राष्ट्र और प्राणिमात्र के कल्याण के लिए समर्पित होना चाहिए।

समय अमूल्य धन है और समय ही जीवन है। जिसने समय का महत्व समझ लिया, उसे कभी पछताना नहीं पड़ा। समय का सम्मान करने वाला व्यक्ति स्वयं सम्मानित होता है।

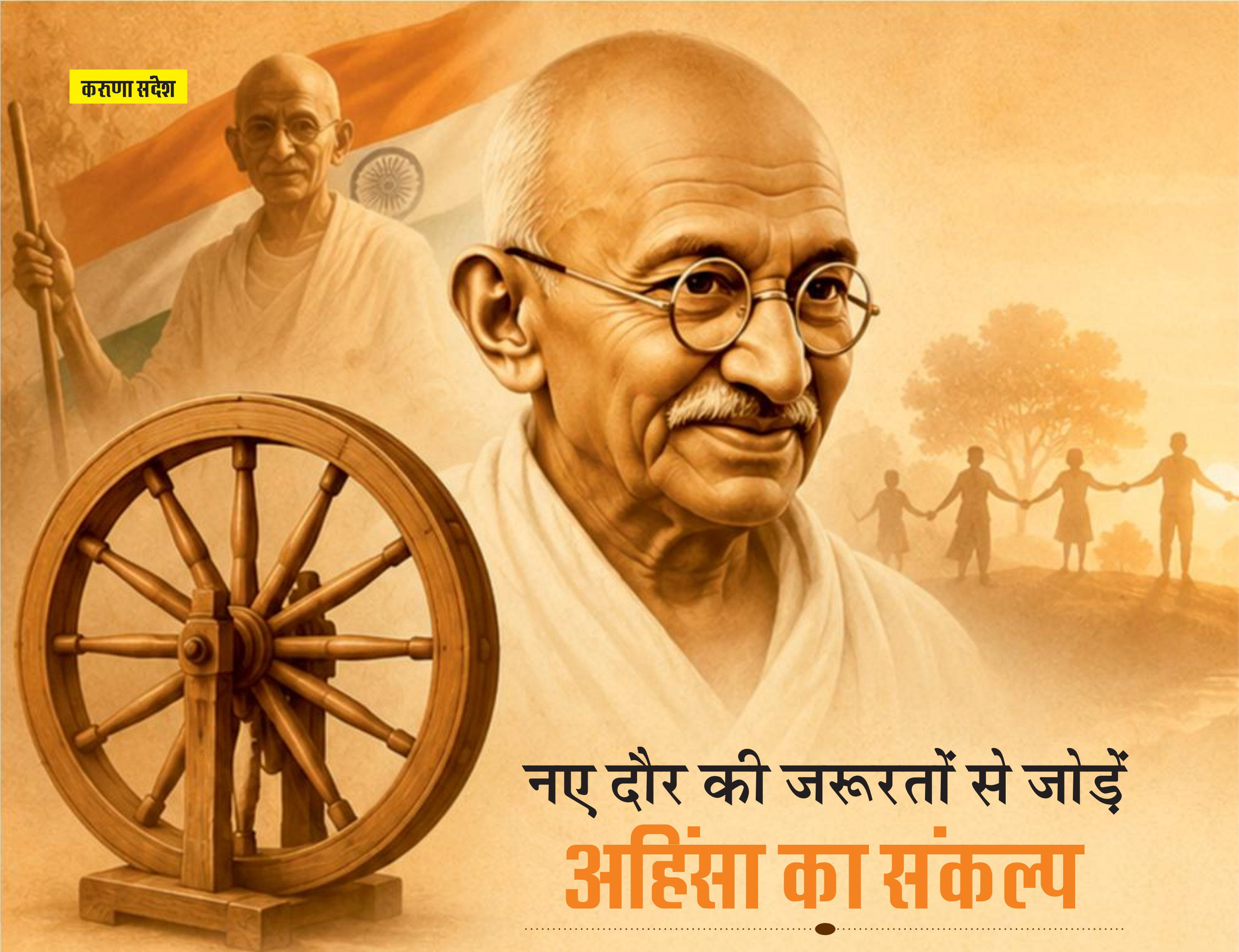

नए दौर की जरूरतों से जोड़ें अहिंसा का संकल्प

2 अक्टूबर केवल महात्मा गांधी की जयंती मनाने का दिन नहीं, बल्कि उन मूल्यों को जीवन में उतारने का अवसर है, जिनके बल पर उन्होंने सत्य, अहिंसा, करुणा और मानवता को समाज की शक्ति बनाया। आज जब दुनिया तकनीक से तेज हुई है, लेकिन मनुष्य के बीच दूरी, असहिष्णुता और कटुता भी बढ़ रही है, ऐसे समय में गांधीजी के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं।

इस वर्ष गांधी जयंती और विश्व अहिंसा दिवस को केवल माल्यार्पण, भाषण और स्वच्छता अभियान तक सीमित रखने के बजाय 'नए दौर की अहिंसा' के रूप में मनाने की जरूरत है। आज अहिंसा का अर्थ केवल हिंसा न करना नहीं, बल्कि शब्दों से किसी को आहत न करना, सोशल मीडिया पर अफवाह और नफरत न फैलाना, कमजोर व्यक्ति का उपहास न उड़ाना और प्रकृति के साथ संवेदनशील व्यवहार करना भी है।

गांधीजी का सपना ऐसा भारत था, जहां अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी सम्मान के साथ जीवन जी सके। इसलिए इस दिन समाज को दिव्यांगजनों के प्रति भी सम्मान, समान अवसर और आत्मनिर्भरता का संकल्प लेना चाहिए। किसी दिव्यांग को दया की दृष्टि से देखने के बजाय उसकी प्रतिभा और क्षमता को पहचानना ही सच्ची अहिंसा है। सार्वजनिक स्थानों को दिव्यांग–अनुकूल बनाना, शिक्षा और रोजगार में अवसर बढ़ाना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना गांधीवादी सोच का आधुनिक विस्तार हो सकता है।

इस गांधी जयंती पर प्रत्येक व्यक्ति एक छोटा संकल्प लें कि वे न किसी का अपमान करेंगे, न भेदभाव करेंगे, न डिजिटल माध्यमों से नफरत फैलाएंगे और न किसी जरूरतमंद को अकेला छोड़ेंगे। संस्थाएं भी रक्तदान, अंगदान जागरूकता, दिव्यांग सहायता, स्वच्छता, पौधरोपण और जरूरतमंदों की मदद जैसे कार्यक्रमों को केवल एक दिन का आयोजन न बनाकर निरंतर अभियान बनाएं।

गांधीजी ने कहा था कि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है। इसलिए 2 अक्टूबर को तस्वीर पर फूल चढ़ाने से आगे बढ़कर यदि हम अपने व्यवहार में करुणा, संवाद में संयम और कर्म में सेवा उतार लें, तो यही गांधीजी के प्रति सबसे सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अहिंसा का नया अर्थ यही हो किसी को चोट न पहुंचे, किसी का सम्मान न छिने और कोई व्यक्ति अपनी कमजोरी के कारण अवसर से वंचित न रहे।

कन्या पूजन
सौभाग्य का वरदान

नवरात्रि यानी सौंदर्य के मुखरित होने का पर्व ! उमंग से खिलखिलाने का पर्व ! आदि शक्ति माँ दुर्गा की आराधना का पर्व। नवरात्रि के इन्हीं नौ दिनों में देवीय शक्तिमनुष्य लोक का भ्रमण करने पधारती हैं। इस पर्व में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। आपके अपने नारायण सेवा संस्थान में भी आगामी दुर्गाष्टमी, आश्विन शुक्ल पक्ष की 19 अक्टूबर को प्रतिवर्ष की भांति 501 दिव्यांग कन्याओं का माता स्वरूप पूजन संपन्न होगा, जिनकी दिव्यांगता सुधारात्मक निःशुल्क सर्जरी माता के आशीर्वाद और आपश्री के सहयोग से सफलतापूर्वक संस्थान में संपन्न होगी।

नवरात्र मनाने के पीछे बहुत–सी कथाएँ प्रचलित हैं। श्री दुर्गा सप्तशती में उल्लेख है कि एक बार शुंभ–निशुंभ, रक्तबीज तथा महिषासुर जैसे राक्षसों ने पृथ्वी पर भयंकर उत्पात मचाना शुरू किया। उनके विनाश के लिए देवताओं ने भगवान शिव से आग्रह किया और उनकी आज्ञा से क्रमशः चैत्र शुक्ल प्रतिपदा एवं आश्विन शुक्ल प्रतिपदा में नौ–नौ दिन तक माँ पार्वती की उपासना की। जिससे प्रसन्न होकर देवी प्रकट हुईं और अधर्म तथा अनाचार के प्रतीक राक्षसों का समूल नाश कर तीनों लोकों को भयमुक्त किया।

नवरात्रि के प्रथम दिन देवी के सम्मुख घटस्थापना की जाती है। कुमकुम, अक्षत, अबीर–गुलाल, पुष्प और धूप–दीप समर्पित करते हुए मिट्टी के दो बड़े पात्रों में काली मिट्टी भरकर उसमें जौ के जवारे बोए जाते हैं। उसी दिन से स्थापित माता की इस चौकी अथवा स्थान पर शुद्ध आसन पर बैठकर विधि–विधान से नौ दिनों तक अनुष्ठानपूर्वक श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाता है। इस दौरान आराधक नौ दिनों तक उपवास भी रखते हैं।

अंतिम दिवस यानी दुर्गाष्टमी को नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया जाकर उपहार भेंट किए जाते हैं। वे प्रसन्न होकर आराधक को सौभाग्य एवं समृद्धि का वरदान देती हैं। इसके साथ ही जवारों का पवित्र नदी, सरोवर अथवा कुएं में विसर्जन किया जाता है।

इन नौ दिनों में क्रमशः
माता के नौ रूप - शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा होती है।

सक्सेस स्टोरी

बुखार ने अंग किए कमज़ोर

तोड़ न पाया हौसला

माँ बाप पर दुःख का पहाड़ टूटा था, पर उन्होंने मेरे लिए उसे काटकर रास्ता बना दिया। मैं चल नहीं सकता था, हाथ भी ठीक से काम नहीं कर पाते थे।" यह कहना है उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के ग्राम रसड़ा निवासी 26 वर्षीय मयंक कुमार का।

तीन साल की उम्र में तेज बुखार के बाद मयंक के हाथ–पैरों की ताकत प्रभावित हो गई। पिता उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने बताया कि बुखार के कारण उसके शरीर पर गंभीर असर पड़ा है। इलाज के बावजूद विशेष राहत नहीं मिली। माता–पिता की उम्मीद जरूर टूटी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और मयंक के भविष्य के लिए प्रयास करते रहे।

पांच साल की उम्र में पड़ोस के बच्चों को स्कूल जाते देख मयंक ने भी पढ़ने की जिद की। माता–पिता कभी गोद में तो कभी सहारा देकर उसे स्कूल ले जाते। दिव्यांगता के कारण उसे उपेक्षा और उपहास सहना पड़ा। प्रार्थना के समय उसे यह कहकर पंक्ति के अंत में बैठा दिया जाता कि वह खड़ा नहीं हो पाएगा। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद मयंक ने हार नहीं मानी और पढ़ाई जारी रखी।

वर्ष 2017 में मयंक के पिता को नारायण सेवा संस्थान में पोलियो ग्रस्त बच्चों की निःशुल्क सर्जरी की जानकारी मिली। वे उसे उदयपुर लेकर आए। यहां मयंक के हाथ–पैरों के तीन ऑपरेशन हुए। इसके बाद वह बिना सहारे खड़े होकर चलने और हाथों से सामान्य काम करने

माता–पिता और नारायण सेवा संस्थान ने मुझे नई जिंदगी और उड़ान दी।

में सक्षम हुए।
मयंक ने एम.ए. तक की शिक्षा पूरी की। इसी वर्ष जुलाई में वह पुनः संस्थान आए, जहां निःशुल्क कंप्यूटर पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण ले रहे हैं। कभी उन पर हंसने वाले सहपाठी आज उनके हौसले की प्रशंसा करते हैं। मयंक अपनी नई जिंदगी का श्रेय माता–पिता की साधना और नारायण सेवा संस्थान को देते हैं।

सक्सेस स्टोरी

युवराज
निवासी-दिल्ली

युवराज ने एक पैर में विकृति के साथ दुनिया में आंखें खोली। उसका दाहिना पैर टखने से नीचे की ओर मुड़ा था। कुछ दिनों तक उस तरफ किसी का ध्यान नहीं गया। लेकिन रोजाना मालिश के बाद भी वह बाएं पांव से असामान्य लगा तो मां उसे अस्पताल ले गई। डॉक्टर ने परीक्षण कर बच्चे को पुनः मां की गोद में रखते हुए कहा – 'इसे क्लब फुट है। बच्चा चलेगा, पर मुश्किल से! इसका ऑपरेशन करवाना होगा।' सच में मुश्किलें बहुत थी। परिवार में गरीबी ने पैर पसारे थे। तत्काल ऑपरेशन संभव नहीं था। पिता सुबह से शाम तक दिल्ली में कहीं वेल्डिंग के काम में लोहा पीटते, आंखें जलाते। मां एक आशा वर्कर थी। पूरे क्षेत्र का बुखार –टीका, डिलीवरी संभालती पर गरीबी ने उसे अपने ही बेटे के इलाज से रोका हुआ था। समय निकलता गया, बच्चे की तकलीफ बढ़ती गई। उसे स्कूल में भर्ती तो करवाया, लेकिन क्लास रूम तक की सीढ़ियां उसके लिए पहाड़ थी। जैसे तैसे उसने 12वीं क्लास पास की। मिलने–जुलने वालों ने सलाह दी कि इसे किसी बड़े अस्पताल में दिखाओ, जिंदगी का सफर अभी लंबा है। माता–पिता ने कर्ज लिया और उसे एम्स दिल्ली में दिखाया, उस समय उम्र करीब 15–16 वर्ष हो चुकी थी, डॉक्टरों ने उम्र बढ़ने का हवाला देते हुए मामले को जटिल बताया। इलाज तो करवाया लेकिन ज्यादा लाभ नहीं हुआ। बेटा बिस्तर पर था और कर्ज मांगने वाले दरवाजे पर। घर के खर्च कम करके जैसे–तैसे कर्ज चुकता हो रहा था। उधर युवराज पूछ रहा था – 'क्या मैं ठीक से चल पाऊंगा? मां की आंखों में जवाब के रूप में सिर्फ आंसू होते थे।'

ऑपरेशन

एक सशक्त
नई शुरुआत

सिलाई
कुल बैच 69
लाभान्वित 1265

मोबाईल
कुल बैच 77
लाभान्वित 1139

कम्प्युटर
कुल बैच 72
लाभान्वित 1116

व्यावसायिक प्रशिक्षणों के माध्यम से दिव्यांगजन अब तक लाभान्वित हुए
तक ला हुए

इसी साल (2026) जून में पिता भारत भुवन को इंस्टाग्राम से पता चला कि उदयपुर के नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगजन के उपचार के साथ ही उपकरण और कृत्रिम अंग निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं। माता–पिता तत्काल बेटे को लेकर उदयपुर पहुंचे। यहां भी उम्र बढ़ने के कारण ऑपरेशन की डॉक्टरों ने सलाह नहीं दी, लेकिन उसके लिए एक विशेष कैलीपर तैयार किया गया जिसे पहनकर वह आसानी से खड़ा हुआ और चलने भी लगा। संस्थान के डॉक्टरों ने कहा – इसे खड़ा तो कर दिया, अब इसे स्वावलंबन की राह भी चलना है। **युवराज ने संस्थान में निःशुल्क चलने वाले स्वरोजगारोन्मुख प्रशिक्षणों में से मोबाइल रिपेयरिंग का कोर्स चुना ताकि माता-पिता का एकलौता पुत्र और छोटी बहन का एकलौता भाई होने के कारण घर बैठे परिवार का सहारा बन माता-पिता के कर्ज को चुकता कर सके। वह कहता है कि मुझे संस्थान में ही नई सुबह के स्वागत का मौका मिला है।** ▪▪▪

प्रेरणास्पद

शिव-महिमा

की अद्भुत गाथा

प्रशांत भैया ने कहा- संसार के कल्याण के लिए विष पीना ही शिव-भक्त का धर्म है। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक एवं चेयरमैन कैलाश मानव जी ने विधिवत रुद्राभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर उस आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक गरिमामंडित कर दिया।

आस्था, करूणा और आत्मबल की अविरल धारा

व सावन की वह बेला कुछ ऐसी थी मानो स्वयं गंगा ने अपनी जटाओं को खोल दिया हो...और उस पावन प्रवाह को धरती पर उतारने का माध्यम बने प्रशांत अग्रवाल भैया जी। नारायण सेवा संस्थान का सेवा महातीर्थ प्रांगण शिवमय जीवंत तीर्थ बन उठा। चहुँओर शिव–नाम की गूँज थी, कहीं जयघोष बनकर फूटती, तो कहीं किसी की आँखों की नमी बनकर ढलक जाती। इन्हीं भाव–तरंगों के बीच संस्थान अध्यक्ष प्रशांत भैया जी के श्रीमुख से शिव–महिमा की वह अनुपम वाणी प्रवाहित हुई, जिसने देश के कोने–कोने से आए दिव्यांगजनों और उनके परिजनों को आस्था, करुणा और आत्मबल की अविरल धारा में स्नान करा दिया।

कथा–प्रसंगों का वह क्रम जीवन–दर्शन का एक कालजयी अध्याय बन गया। भगवान शिव का प्राकट्य–रहस्य, माँ सती का अग्नि–कुंड में समर्पण, जहाँ प्रेम ने देह को त्यागकर आत्मा को अमर कर दिया। वीरभद्र का प्राकट्य, जिसने धर्म की रक्षा में क्रोध भी शिव–तांडव का अंग बन जाता है। माता पार्वती की वह कठोर तपस्या...जिसमें बर्फ भी पिघली, पर संकल्प–बल अडिग रहा। शिव–पार्वती का वह दिव्य मिलन, जो ब्रह्मांड का प्रथम प्रेम–गीत है। और अंत में समुद्र–मंथन का वह महाकाव्य–प्रसंग, जब भगवान शिव ने विष को अपने कंठ में धारण कर करुणा की पराकाष्ठा सिद्ध की।

कथा के उत्कर्ष के साथ श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। जीवन की वेदनाओं को भूलकर दिव्यांगजन हर–हर महादेव के जयघोष में डूब गए। इस मौके पर प्रशांत भैया ने विश्व–कल्याण की प्रार्थना करते हुए कहा शिव भक्ति का सच्चा अर्थ केवल आरती की थाली नहीं, बल्कि किसी पीड़ित की पीर को मिटाना ही वास्तविक शिवार्चन है। यह आयोजन भक्ति से सेवा और शिव–नाम से मानवता तक की एक भावयात्रा बन गया।

पर्व

उत्साह की झलक

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

नारायण सेवा संस्थान के माली कॉलोनी स्थित वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। राधा–कृष्ण की झांकियां, बाल लीलाएंातावरण भजन और मटकी फोड़ ने पूरे परिसर को गोकुल–वृंदावन की छटा से भर दिया। आयोजन में संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव', सह–संस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी, अध्यक्ष 'सेवक' प्रशांत भैया, निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल सहित ट्रस्टीगण, साधक–साधिकाएं एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। श्रीनाथजी, नरसिंह अवतार, राधा–कृष्ण और कालिया नाग मर्दन की झांकियां

आकर्षण का केंद्र रहीं। इलेक्ट्रॉनिक प्रभावों से कालिया नाग मर्दन का दृश्य जीवंत किया गया। नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों ने राधा–कृष्ण का रूप धरकर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। श्रद्धालुओं ने लड्डू गोपाल को झूला झुलाया। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। बच्चों ने पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ी और माखन प्रसाद वितरित किया। संचालन महिम जैन ने किया।

कृत्रिम अंग माप

सुनहरे

कल का वादा

कृत्रिम अंग माप शिविर सम्पन्न

बेल्लारी – कर्नाटक के बेल्लारी शहर में 16 अगस्त को आयोजित विशाल निःशुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा जाँच–चयन एवं जापान–जर्मन तकनीक से निर्मित 3डी प्रिंटेड नारायण मॉड्यूलर आर्टिफिशियल लिंब मेजरमेंट शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 850 से अधिक दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इनमें से 649 को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने चयनित किया। शिविर का उद्‌घाटन कुरुगौड़ निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक सर्वश्री सूर्य नारायण रेड्डी, सन्मार्ग गेलेयारा बलागा बेल्लारी अध्यक्ष एच. लक्ष्मीकांत रेड्डी, पुलिस उपअधीक्षक प्रसाद गोखले व संस्थान की बेंगलुरु शाखा अध्यक्ष श्री विनोद जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जैन ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन बेल्लारी के सर्वश्री निलेश जैन, समाजसेवी सूरजमल बागरेचा, उत्तम जैन, राकेश बागरेचा, अशोक भंडारी, डी. शिव प्रसाद, पुखराज भुरत जैन एवं पाथी रघु भी मौजूद रहे। अतिथियों ने शिविर का अवलोकन कर चिकित्सकों से उनके उपचार, पुनर्वास एवं लगने वाले कृत्रिम अंग की जानकारी ली। शिविर में संस्थान के सहभागी भामाशाहों को सम्मानित भी किया गया। शिविर में 25 दिव्यांगजन का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन हुआ। शाखा अध्यक्ष श्री विनोद जैन ने अतिथियों का स्वागत एवं शिविर प्रभारी श्री हरिप्रसाद लढ्ढा तथा श्री ऐश्वर्य त्रिवेदी ने संयोजन किया।

दिल्ली – दिल्ली के फतेहपुरी स्थित संस्थान के सेवा केंद्र में 17 अगस्त को आयोजित शिविर में 153 दिव्यांगजन का संस्थान की विशेषज्ञ चिकित्सक एवं प्रोस्थेटिक्स टीम ने परीक्षण के बाद 105 का जापान –जर्मन तकनीक से निर्मित 3डी प्रिंटेड नारायण मॉड्यूलर आर्टिफिशियल लिंब एवं कैलीपर उपलब्ध कराने के लिए कटे अंगों का माप लिया। माप के अनुसार दो माह में कृत्रिम अंग निर्मित कर पुनः शिविर आयोजित कर उन्हें उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही उन्हें पहन कर चलने का अभ्यास भी कराया जाएगा। शिविर में 26 दिव्यांगजन का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन भी हुआ। सेवा केंद्र के प्रभारी श्री जतन सिंह भाटी ने शिविर में संस्थान के विभिन्न निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए संस्थान सहयोगी दानदाताओं को सम्मानित किया।

नव-जीवन की किरण

कोयंबटूर - थड़गाम रोड स्थित माहेश्वरी भवन में 9 अगस्त को मातोश्री शांता बेन त्रिभुवनदास चैरिटेबल ट्रस्ट एवं टी.एम पटेल इंटरनेशनल स्कूल सूरत (गुजरात) के सहयोग से जापान एवं जर्मन तकनीक से निर्मित 3डी प्रिंटेड नारायण मॉड्यूलर आर्टिफिशियल लिंब फिटमेंट शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 290 दिव्यांगजन को 304 कृत्रिम हाथ – पैर और 34 को 49 कैलीपर लगाए गए। संस्थान निदेशक श्रीमती

उन्नत 3D तकनीक से
संवरा भविष्य

वंदना जी अग्रवाल ने अतिथियों एवं शिविर में पधारे दिव्यांगजन का स्वागत करते हुए कहा कि दिव्यांगजन को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग देने के उद्देश्य के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी संस्थान की प्राथमिकता में है। शिविर में जिन दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग मिले उन्होंने मंच पर जब कतारबद्ध परेड की तो अतिथियों की आंखें भर आई। उन्होंने कहा कि नारायण सेवा संस्थान के प्रयास मानव सेवा के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। शिविर में विशिष्ट अतिथियों के रूप में रूट्स ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष के. रामासामी, माहेश्वरी सभा के संरक्षक श्री गोपाल माहेश्वरी, राजस्थानी संघ अध्यक्ष श्री संतोष मूंदड़ा, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद सोमानी, समाजसेवी श्री मोतीलाल गोयल, मुंबई शाखाध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल, श्री श्रेणिक सिंघवी, श्रीमती बीना मूंदड़ा, श्री कमल किशोर अग्रवाल, श्री वरदराजन एवं श्री नारायण राव मंचासीन थे। श्री जितेंद्र शर्मा, श्री अचल सिंह व श्री हरि प्रसाद लढ्ढा ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि सीबीआई के पूर्व निदेशक पद्मश्री सम्मानित डॉक्टर कार्तिकेय ने कहा-पीड़ित मानवता का कल्याण ही सच्ची साधना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मातोश्री शांता बेन त्रिभुवनदास चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री हरीश भाई पटेल ने की। उन्होंने कहा कि वर्षों से दूसरों के सहारे जीवन जी रहे लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होते देखना अत्यंत प्रेरणादायी है।

वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी मानवता का
उम्मीद का केंद्र

जहाँ किसी के जीवन में जन्म से ही अपूर्णता की पीड़ा हो, जहाँ दुर्घटना किसी चलते जीवन की राह छीन ले, वहाँ उपचार केवल शरीर का नहीं, आशा का भी होना चाहिए। इसी मानवीय संकल्प को साकार करते हुए नारायण सेवा संस्थान का 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' केंद्र सेवा के नए अध्याय के रूप में शुरू हो रहा है। यह केंद्र उन लोगों के लिए उम्मीद की वह चौखट बनेगा, जहाँ दिव्यांगता नियति नहीं, नई शुरुआत का निमंत्रण होगी। यहां जन्मजात दिव्यांगता से जूझ रहे 100 से अधिक लोगों की निशुल्क सर्जरी होगी। दुर्घटनाओं में अपने अंग गंवा चुके 60 से 70 दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ-पैर देकर उन्हें फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने का संबल मिलेगा। सेवा का यह सिलसिला उपचार की सीमा पर नहीं रुकेगा। प्रतिदिन

आपका सहयोग केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि किसी दिव्यांग बच्चे के चेहरे की मुस्कान, किसी परिवार की नई उम्मीद और किसी के आत्मनिर्भर बनने की राह है। आइए सेवा और संवेदना की इस यात्रा में अपना हाथ बढ़ाएं।

करीब 5,000 लोगों को भोजन-प्रसाद, निशुल्क आवास और दवाइयों के साथ कैलीपर्स, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, स्टिक और वॉकर जैसे सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।
अर्थात यह केवल उपचार केंद्र नहीं, संपूर्ण पुनर्वास का ऐसा संसार है, जहाँ करुणा औषधि बनेगी, सेवा संबल बनेगी और मानवता जीवन की नई राह दिखाएगी।

यहाँ किसी को केवल कृत्रिम अंग नहीं मिलेगा किसी के जीवन को फिर से चलने का विश्वास मिलेगा।

निःस्वार्थ सेवा का नयनाभिराम संसार

general motors

We are extremely proud to be associated with Narayan Seva Sansthan. The organization is truly making a transformative difference in the lives of differently-abled individuals by providing them with mobility aids and the confidence to lead an independent life. Their selfless dedication towards empowering people with disabilities and helping them reintegrate into society with dignity is both inspiring and commendable. At General Motors, we deeply value such partnerships that focus on creating inclusive growth and making a real impact on the community. We look forward to supporting their incredible journey ahead.

Muruganand R
EGM- General Motors
Technical Center India

HYDROLINES
Safe Passage to Hydraulic Power

At HYDROLINES Bangalore Private Limited, we believe in the power of giving back to society, and our collaboration with Narayan Seva Sansthan has been a truly fulfilling experience. We have witnessed firsthand the immense impact your organization has on the lives of the differently-abled and underprivileged. The dedication of your team and the sincerity with which you work towards your mission is deeply inspiring. We are honoured to contribute to your initiatives and proud to be associated with such a transformative cause. Together, we can continue to make a lasting difference in the lives of those in need.

Lalit Sethi
Chairman- Hydrolines
Bangalore Private Limited

OIKO CREDIT

We are proud to have partnered with Narayan Seva Sansthan over the past two years and have consistently witnessed their dedication to impactful service. Under the visionary leadership of Mr. Prashant Agrawal, the team demonstrates professionalism, innovation, and compassion. Their ability to manage challenges efficiently while delivering high-quality outcomes reflects their commitment to serving the differently-abled community and driving meaningful social change.

Mr. G. Gouri Sankar- MD
Manveeya Development & Finance Ltd.

Mrs Jayshree Ben
Banthia(Florida-USA)

Narayan Seva Sansthan deserves immense appreciation for organizing the Narayan Limb Camp in Mumbai to support amputees and restore their independence. By providing high-quality prosthetic limbs free of cost, the organisation is doing far more than offering physical support it is rebuilding lives & restoring dignity. Seeing beneficiaries stand tall, smile, and look toward the future with renewed mobility is a true testament to their motto: "Heal, Enrich, Empower." Kudos to the entire Management and Team for their noble dedication and selfless service toward uplifting humanity!

प्रकृति ही प्रभावी चिकित्सक

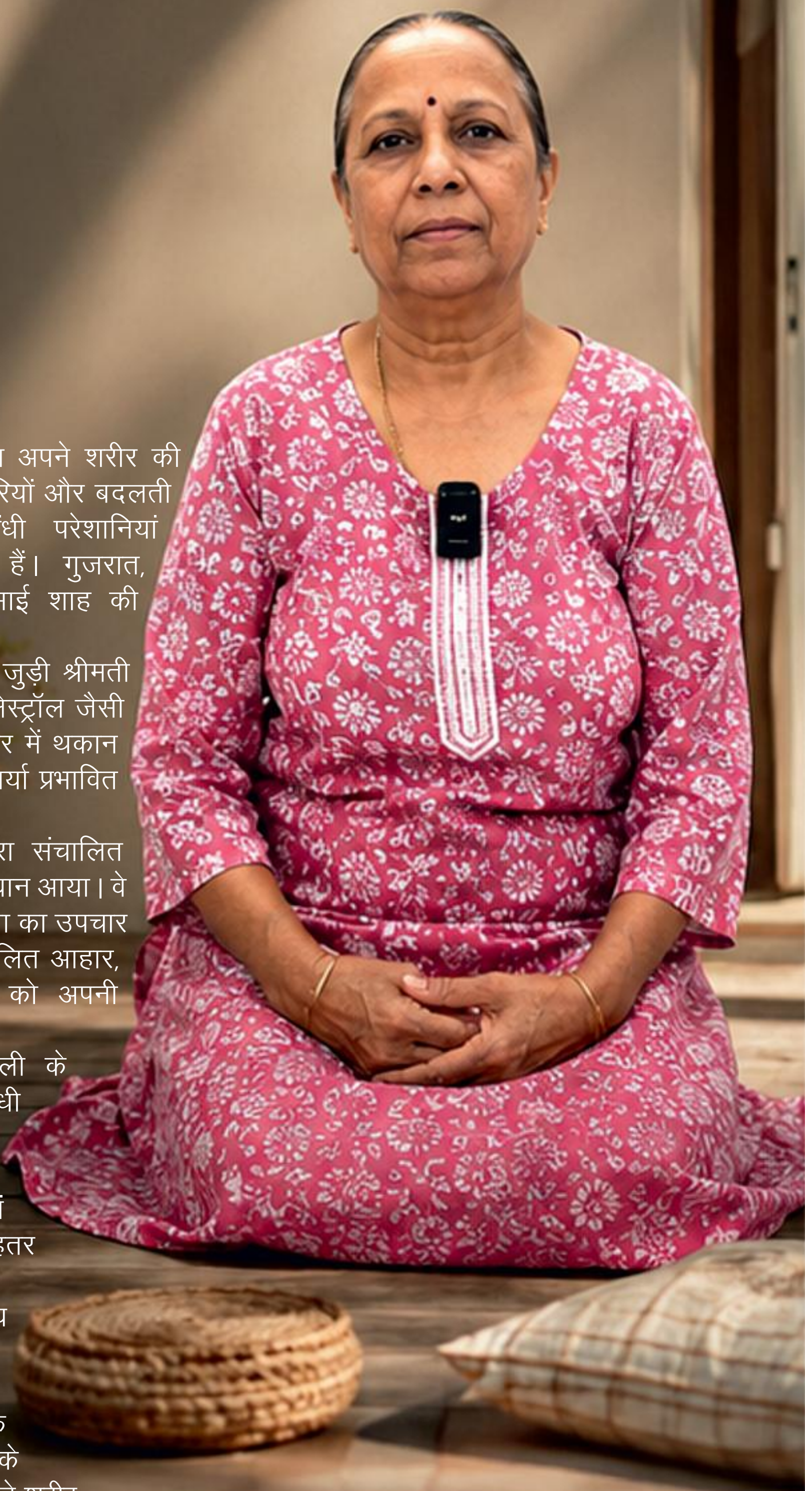

कई बार जिंदगी की भागदौड़ में इंसान अपने शरीर की आवाज सुनना भूल जाता है। जिम्मेदारियों और बदलती जीवनशैली के बीच स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां धीरे–धीरे जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। गुजरात, अहमदाबाद निवासी श्रीमती वर्षाबेन अतुलभाई शाह की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।

नारायण सेवा संस्थान से पिछले 20 वर्षों से जुड़ी श्रीमती वर्षा जी ब्लड प्रेशर, शुगर, पीठ दर्द और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं से लंबे समय से परेशान थीं। शरीर में थकान और पीठ दर्द के कारण उनकी सामान्य दिनचर्या प्रभावित होने लगी थी।

इसी बीच उन्हें नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित भगवान महावीर प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र का ध्यान आया। वे यहां आईं और 10 दिनों तक प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार लिया। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उन्होंने संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और प्राकृतिक उपचार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया।

प्राकृतिक चिकित्सा और संतुलित जीवनशैली के नियमित अनुसरण से उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों में राहत मिली। शुगर, पीठ दर्द और कोलेस्ट्रॉल में शतप्रतिशत आराम मिला। श्रीमती शाह बताती हैं कि वे पहले की तुलना में स्वयं को अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान और बेहतर महसूस करती हैं।

उनके लिए प्राकृतिक चिकित्सा केवल स्वास्थ्य सुधार का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को नए संतुलन के साथ जीने का अनुभव रहा। स्वास्थ्य केवल बीमारी से मुक्त होना नहीं, बल्कि शरीर में ऊर्जा, मन में प्रसन्नता और जीवन के प्रति उत्साह महसूस करना भी है। जब हम अपने शरीर की आवाज सुनते हैं और प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हैं, तो बेहतर जीवन की राह खुलती है।

> “प्रकृति के साथ संतुलन बनाएं, स्वास्थ्य समस्याएं स्वत: दूर हो जाएंगी।”

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,
मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
मो. 09829769960
C/á नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा–311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी
मो. 09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला, मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा
मो. 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,
मो. 09828242497
5–C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,
मो. 09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,
मो. 09829960811,
ए. 14, 'गिरधर–धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.–09113733141
ब्व पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
मो. 09608529923,
आजाद नगर भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 09752492233,
मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,
मो. 09926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जिला – जबलपुर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136
ए–3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलॉं, होशंगाबाद रोड़ जिला – भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,
मो. 08989609714, बखतगढ, त.–बदनावर, जि.–धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी,
मो. 09422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा
मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,
मो. 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला – नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी
मो. 09422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी
मो. 028847991, 9029643708,
10–बीध्बी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा,
मो. 8080083655 ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे–401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गॉंव व पोस्ट–बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर – 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट–रोपा, जिला–हमीरपुर–177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807
गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

....
श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662
3 68–ए, नई अनाज मंडी, कैथल

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878
108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो. 09991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर–14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.– 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट–133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014 165–हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,
मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा–403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,
मो. 09274595349
म.नं.रू बी–77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074
विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला–बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,
मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,
मो.–09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल
मो.–09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा मो.–08791269705 बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा–244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल
मो. 09425536801

....
श्री देवनाथ साहू
मो. 09229429407
गांव– बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला–कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,
मो.–09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000
रामदेव चौक बालोद जिला–बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52–सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु–180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा
मो. 08447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा
मो.0 9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
मो. 09529920090,07073452174 09529920088
शिव सृष्टि सीएचएस लिमिटेड, बिल्डिंग नं. 4–बी, फ्लैट नंबर 608, बॉम्बे डाईंग महादा बोइवाड़ा, नयागांव, दादर (पूर्व) मुंबई (महाराष्ट्र) पिनकोड 400014

पूणे
मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे–16

दिल्ली

रोहिणी
मो. 08588835718 08588835719, बी–4/67, सेक्टर–8, रोहिणी, दिल्ली, पिन कोड 110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101167, 07412060406
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
मो. 09257017592
मकान नं. 342 ब्लॉक–सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097, मकान नंबर–580, स्वामी सारणी ग्वाला, बागान, कालांदी, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिनकोड 700048

हरियाणा

गुरूग्राम
मो. 08306004802,
हाउस नं.–1936 जीए, गली नं.–10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी. आर.पी.एफ. केम्प चौक, गुरुग्राम – 122001

हिसार
मो. 9257017593, मकान न. 2249, सेक्टर–14, हिसार 125005

रेवाड़ी
मो. 9257017594, C/o श्री ललित कुमार, गली नंबर 7, दूसरी मंजिल, विकास नगर, बुद्धपुर रोड, कुतुबपुर मोला, रेवाड़ी (हरियाणा) 123401

फरीदाबाद
मो. 7023101162, ई–10, नेहरू ग्राऊंड, बीकानेर स्वीट्स के पीछे, ऐन.आई.टी. फरीदाबाद पिनकोड 121001

पंजाब

लुधियाना
मो. 07023101153
311/312, बी–17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
मो. 07073452176
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर – 46–सी, चंडीगढ़–160047

उत्तराखंड

हरिद्वार
मो.9229920089, एम–80, शिवलोक कॉलोनी, फेस–3, भेल रानीपुर, हरिद्वार (उत्तराखंड) 249401

उत्तर प्रदेश

मेरठ
मो. 09257110802
38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ

लखनऊ
मो. 09351230395, मकान नंबर 563/193, चित्रगुप्त नगर, आलमबाग (रसगन मिष्ठान भंडार के पास) लखनऊ (उ.प्र.) 226005

राजस्थान

जोधपुर
मो. 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
मो. 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं. 2–वी–5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

अजमेर
नारायण सेवा संस्थान C/O श्रीमती. कैलाश उपाध्याय पत्नी स्वर्गीय श्री विश्वप्रकाश उपाध्याय मकान नं. 68, माली मोहल्ला, आनासागर लिंक रोड, शिव मार्ग, कृष्णा गंज, अजमेर (राजस्थान) 305001
मो. नं. 9216022978

बिहार

पटना
मो. 09257110805, मकान नं.–23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना–13

गुजरात

सूरत
मो. 09529920082
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो. 09529920081
मकान नंबर ए–2/5, सिद्धार्थ पार्क, साईदीप नगर के पास, टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स के सामने, न्यू वीआईपी रोड, बड़ौदा (गुजरात), पिनकोड 390022

अहमदाबाद
मो. 09529920080, 08306008208
07/ए, कपिलकुंज सोसायटी, विजय नगर के सामने, मेट्रो स्टेशन, नारायणपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) पिनकोड 380013

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
मो. 09341200200
हाउस नंबर 6/2, ग्राउंड फ्लोर, मुदलियार स्ट्रीट, ड्रेस सर्कल के पीछे, शॉपिंग मॉल, नुटकालाप्पा सर्कल, बसवनगुडी, बैंगलोर (कर्नाटक) 560004

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
मो. 9216022976,मकान नंबर 197, कुंडी रोड, गली नंबर 05, कोटेश्वर कॉलोनी, कोटेश्वर मंदिर के सामने, गिर्द, ग्वालियर (म.प्र.) 474003

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
मो. 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
मो. 07023101163
हाउस नं. 10/10ए, श्रद्धानंद स्कूल के सामने, राधा नगर, कृष्णा नगर, मथुरा (उत्तर प्रदेश) 281004

अलीगढ़
मो. 07023101169
एम.आई.जी. –48 विकास नगर, आगरा रोड़, अलीगढ़

तेलंगाना

हैदराबाद
मो. 09573938038
लीलावती भवन, 4–7–122/123 इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद –500027

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
मो. 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर, बी.–350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद – 201009

लोनी
मो. 9257110802
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
मो. 07023101174
मकान नंबर ई–52, किडजी स्कूल के पास, कमला नगर, आगरा (उत्तर प्रदेश) पिन कोड रू 282005

छत्तीसगढ़

रायपुर
मो. 07869916950, 08306004806
मीरा जी राव, म.नं.–29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.–2, फेस–2 श्रीरामनगर, पो.–शंकरनगर,रायपुर

गुजरात

राजकोट
मो. 09529920083
बी–33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिर्वसिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
मो. 07023101175
साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

दिल्ली

फतेहपुरी
मो. 08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली–6

शाहदरा
मो. 07073474435, बी–85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

हरियाणा

अम्बाला
मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर–7 अम्बाला

कैथल
मो. 08696002432
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3 करनाल रोड़, हनुमान वाटिका के पास कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर
मो. 09928027946, 09257110807
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी–50–51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

मध्य प्रदेश

इन्दौर
मो. 09529920087
43, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर–452018

अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार...

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	10,000 रू.	30,000 रू.	50,000 रू.	1,10,000 रू.
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.

दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन-नाश्ता सहयोग मित्ति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	2,25,000 रू.

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों के सपनों को करें साकार

1 एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
5 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	55,000/-
20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	2,20,0002,20,000/-

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

Narayan Children Academy
Unit of Narayan Seva Sansthan
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर
संसाधनों के अभाव में कई
मासूम बच्चों के सपने अधूरे
रह जाते हैं। संस्थान जरूरतमंद और
गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,
किताबें और एक सुरक्षित माहौल दे रहा है।
हैं। संस्थान जरूरतमंद और
गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,
किताबें और एक सुरक्षित माहौल दे रहा है।
आइए मिलकर इन मासूम चेहरों को मुस्कान दें
www.narayanseva.org
0294-6622222
www.nca.org.in

शारदीय नवरात्रि

501 दिव्यांग कन्या ऑपरेशन व कन्या पूजन

दिनांक : 11 से 19 अक्टूबर, 2026

स्थान : सेवामहातीर्थ,बड़ी, उदयपुर

एक दिव्यांग कन्या ऑपरेशन सहयोग राशि	₹ 5000/-	अन्नपूर्णा सहयोग (एक समय भोजन 50 दिव्यांग)	₹ 15,000/-
13 दिव्यांग कन्या ऑपरेशन सेवा पुण्य	₹ 52,500/-	अन्नपूर्णा सहयोग (दोनों समय भोजन 50 दिव्यांग)	₹ 30,000/-

सेवा–पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 सितम्बर, 2026 आर. एन. आई. नं. DELHIN/2017/73538, स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह मो. 09871320593 द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली–110006 से प्रकाशित तथा थॉमसन प्रेस इंडिया लिमिटेड, फरीदाबाद से मुद्रित। मुद्रित संख्या 1,00,000 (मूल्य) 5 रूपये